

Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Atmavallabh

Folder No.	012062
Granth Name	Atmavallabh
Editor	Jagatchandravijayji, Nityanandvijayji
Publisher	Atmavallabh Sanskruti Mandir Delhi
Edition	1
Year	1989
Pages	300

आत्मवल्लभ

फोल्डर नं.	०१२०६२
ग्रन्थ	आत्मवल्लभ
मूल	जगच्चन्द्रविजयजी, नित्यानंदविजयजी
प्रकाशक	आत्मवल्लभ संस्कृति मंदिर दिल्ली
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९८९
पृष्ठ	३००

मुख्य टाईटल

नमो वीतरागाय

शुभ आशीर्वाद

प्रकाशकीय

सम्पादकीय

मैं क्या चाहता हूँ

अनुक्रमणिका

हमारे हृदय – सम्राट विजय वल्लभ

श्री वल्लभगुरुसंडक्षिसचरित्रस्तुति – मुनि पुण्य विजय	१
भक्तामरपाद – पूर्तिरूपासूरि – राजस्तुति – मुनि विचक्षण विजय	२
जैनाचार्य श्री १०८, श्रीमद विजयवल्लभ सूरीश्वरजी महाराज की जन्मादि कुण्डलियाँ	४
श्री वल्लभ निर्माण कुण्डली गान – हस्तीमल कोठारी	६
हमारे गुरुदेव आचार्य विजय वल्लभ – आचार्य विजय समुद्रसूरीश्वरजी	८
माँ के वचन पूरे हुए – आचार्य विजयेन्द्रदिन्न सूरीश्वरजी	८

जैन समाज के प्रखर शिक्षा शास्त्री - आचार्य विजयजनक चन्द्र सूरी -----	९
आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरी - सर्वतोमुखी व्यक्तित्व के धनी - उपाध्याय अमर मुनि -----	१०
समन्वयी वादी आचार्य - विजय वल्लभ सूरी - आचार्य तुलसी -----	१२
वल्लभ गुरु मुक्तक - गणि वीरेन्द्र विजय -----	१२
आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरी जीवन घटनाक्रम - एक नजर में - गणी वीरेन्द्र विजय -----	१३
वल्लभ एक सर्वदेशीय व्यक्तित्व - मुनि जयानन्द विजय -----	१६
गुरु वल्लभ द्वारा स्थापित संस्थायें - मुनि चिदानन्द विजय -----	२१
अधूरी भावना - अगरचंद्र नाहटा -----	२४
रुबाईया - अभयकुमार जैन -----	२४
मध्यम वर्ग एवं आचार्य विजय वल्लभ - ऋषभदास रांका -----	२५
समाजोत्थान के मूल तत्व - विजय वल्लभ सूरी -----	२६
हमने भगवान महावीर को खोया है - आचार्य विजय वल्लभ -----	३०
युगवीर - विजय वल्लभ - साध्वी पीयूषपूर्ण श्री -----	३१
युगवीर - विजय वल्लभ - साध्वी सुमंगला श्री -----	३१
प्रसंग - परिमल मुनि नवीनचन्द्र विजय - राघव प्रसाद पाण्डेय -----	३२
पंजाब केसरी के पांच आदर्श - ऋषभदास जैन -----	३२
विश्व की विराट विभूति विजय वल्लभ - साध्वी यशोभद्रा श्री -----	४५
वल्लभ - महिमा - राघव प्रसाद पाण्डेय -----	४५
श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी महाराज मेरी दृष्टि में - डॉ. जवाहरचन्द्र पटनी -----	४७
जैन संत - कवि श्री विजयवल्लभ सूरी जी महाराज - प्रो. रुपलाल वर्मा -----	५०
अपना बना लो प्रभु - आचार्य विजय वल्लभ सूरी -----	५२
वल्लभ की अमोघ शक्ति और भक्ति - प्रो. राम जैन -----	५२
गुरु वल्लभ और संक्रान्ति महोत्सव - रघुवीर कुमार जैन -----	५४
दीर्घ दर्शी गुरु वल्लभ - लाडोरानी जैन -----	५५
श्रद्धांजलि गीत - घनश्याम जैन-----	५६
गुरुदेव का चमत्कार - रतनचंद जैन -----	५६
मानवता के प्रेरक - खरतरगच्छीय मुनि श्री जयानन्द -----	५७
दुःखियों का मसीहा - साध्वी प्रमोद श्री -----	५७
गुरु वल्लभ के तीन उपदेशक - साध्वी अमितगुणा श्री-----	५८
वंदना - रमेश पंवार -----	५८
Shree Vijayvallabh Surishwar Ji Maharaj-----	59
Jain Saint Acharya Shri Vijaya Vallabh Suri (1870-1954) -----	61
भगवान महावीर से विजय ईन्द्र तक (पट्ट परम्परा) -----	६३
आत्माराम जी महाराज (गुजराती) - डॉ. रमणलाल ची. शाह -----	६४
म. सा. श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी - साध्वी सुमति श्री -----	६८

ओ मेरे गुरु तेरी तय हो - मुनि धर्मधुरन्धर विजय -----	६९
आचार्य ईन्द्रदिन्न सूरी सर्वगुण सम्पन्न जैनाचार्य - अ.ना. धर द्विवेदी -----	७१
जागे भाग हमारे - सुशील रिन्द -----	७३
मानव सदभावना के महान संत - श्री विजय ईन्द्रदिन्न सूरी - श्री अविनाश कपूर -----	७३
श्रीमद विजय जनकचन्द्र सूरीश्वरजी महाराज -----	७४
जैन तीर्थ एवं कला वैभव	
The Temples Of India -----	1
The Jain Temple-----	3
Some Inscriptions And Images On Mount Satrunjaya Ambalal Premchand Shah-----	6
Jaina Temples Of Rajasthan - M. A. Dhaky -----	9
The Images Of The Temple -----	14
Temple Worship -----	16
जिन मंदिर विधि - मुनि विनोद विजय -----	१७
तत्त्वार्थ श्रद्धाणं समग्रदर्शनम् -----	२१
जैन स्थापत्य और शिल्प - सुमंत शाह -----	२२
गुरु वल्लभ और कांगडा तीर्थ - शान्तिलाल नाहर -----	२७
पावन तीर्थ श्री हस्तिनापुर - निर्मल कुमार जैन -----	२८
भगवान महावीर की जन्म भूमि क्षत्रियकुंड - हीरालाल दुग्गड -----	३०
जैन दर्शन और इतिहास	
देश के लिए संदेश - विजयेन्द्रदिन्न सूरी -----	१
जैन दर्शन और विश्व शांति - आचार्य विजय ईन्द्रदिन्न -----	२
श्रावक धर्म - गणि जगच्चन्द्र विजय -----	३
पूर्वगत आगमों की परम्परा - डॉ. गोकुलचन्द्र जैन -----	६
भगवान महावीर का अनेकान्तवाद - साध्वी मृगावती श्री -----	८
भारतीय संस्कृति में जैन धर्म - साध्वी ओंकार श्री -----	९
अनेकान्तवाद - पं. गिरिजादत्त त्रिपाठी -----	११
कलिकाल सर्वज्ञ हेमचन्द्राचार्य - साध्वी प्रफुल्ल प्रभा श्री -----	१३
अकबर प्रतिबोधक श्री हरि विजय सूरी - मुनि अरुण विजय -----	१४
तीर्थ तथा राष्ट्र प्रति जैन समाजस्य योगदानं - साध्वी नयनानंद श्री -----	१६
जैन दर्शन में छ लेखाएं - आचार्य रजनीश -----	१८
प्रमुख जैनाचार्यों की योग दर्शन को देन - अरुणा आन्न्द -----	२३
धर्म चित्त की शुद्धता - अनुराधा -----	२६
Chaturvidh Sangh-----	27
Jain Literature-----	39
Studies In The Folk - Tales Of India - M.B. Emeneau-----	32
The Vallue Of A Vegetarian Diet - Dr. Natubhai Shah -----	38
Contribution Of The Jains In The Field Of Commerce Trade, Industry And Social Responsibility - Pratap Bhogilal -----	42
Jain Studies In Germany - Magdalene Duckwitz-----	46

About An Aksayatritiya Vyakhyana – Dr. Nalini Balbir-----	49
Jainism A Universal Religion – Sudhakar M. Dalal-----	50
मेरी भावना -----	५१
कलिकाल सर्वज्ञ श्री हेमचन्द्राचार्य (गुजराती) – पं. शीलचन्द्रविजय जी गणि -----	५२
जप साधना – शशीकान्त महेता -----	५४
जैन साहित्यमां बुद्धिचातुर्यना कथा घटको – पन्नालाल र. शाह -----	५७
जैन साहित्यगत प्रारम्भिक निष्ठा – पं. दलसुख मालवणिया -----	६१
श्री वीरचंद्र राघवजी गांधी – डॉ. कुमारपाल देसाई -----	६४
समता – प्रा. तारा बहेत रमणलाल शाह -----	६७
वल्लभ स्मारक नींव से शिखर तक	
श्रद्धा – पुरुष – मुनि श्री नवीनचन्द्र विजय -----	१
वल्लभ स्मारक मंगलकारी – प्रो. राम जैन -----	१
मातेश्वरी पञ्जावती – साध्वी मृगावती -----	२
गुरु वल्लभ की अमर स्मृति – आचार्य विजय ईन्द्रदिन्न सूरि -----	४
वल्लभ और वल्लभ स्मारक – मुनि श्री अमरेन्द्र विजय -----	५
बीजांकुर से फलवृद्धि तक – विजय वल्लभ स्मारक – राजकुमार जैन -----	७
जैन स्थापत्य कला की उत्कृष्ट वल्लभ स्मारक – विनोदलाल एन. दलाल -----	१६
चेतना के स्वर – गणि नित्यानंद विजय -----	२२
गुरु वल्लभ और वल्लभ स्मारक – साध्वी प्रगुणा श्री -----	२३
विश्व विश्रुति वल्लभ स्मारक – प्रियधर्मा श्री -----	२४
जगती का शिक्षक – राघव प्रसाद पाण्डेय -----	२४
विजय वल्लभ स्मारक में भोगीलाल लेहरचंद भारतीय संस्कृति संस्थान – नरेन्द्र प्रकाश जैन -----	२५
विजय वल्लभ स्मारक जैन ज्ञान भण्डार – महेन्द्र पी. सेठ -----	२८
श्री विजय वल्लभ जैन होम्योपैथिक औषधालय – वीरचंद भाभू -----	९०
वल्लभ स्मारक भोजनशाला – कृष्ण कुमार -----	३१
नींव की ईंट – अवधनारायणधर द्विवेदी -----	३२
Pillars Of Smarak – An Introduction -----	34
श्री आत्मानन्द जैन सभा दिल्ली – सुदर्शनलाल जैन -----	३६
श्री जैन श्वेताम्बर कान्फ्रेंस – राजकुमार जैन -----	३८
महतरा साध्वी श्री मृगावती श्री जी महाराज -----	४०
महतरा जी की छाया – सुशील रिन्द -----	४२
महतराजी एक राष्ट्रीय मूल्यांकन – सुप्रज्ञा श्री -----	४२
श्री मृगावती महाराज की दिव्य अलौकिक शक्ति – राजकुमार जैन -----	४४
महतरा मृगावती जी और संन्यास की महिमा – वीरेन्द्र कुमार जैन -----	४७
महतरा जी का महान जीवन – दलसुख मालवणिया -----	४८

अध्यात्म जगत की ज्योति - विधा बहन शाह -----	४९
महत्तराजी - नियमावली और विशेषताएं - आर्या सुव्रता श्री -----	५०
साध्वी संघ एक विनती - साध्वी मृगावती श्री -----	५१
जीवन मां सादाई नुं नहत्त्व - पु. महत्तरा श्री मृगावती श्री जी -----	५२
महत्तराजी नुं महाप्रयाण - राजकुमार जैन -----	५३
शासन हित स्वका किया अर्पण - पन्नालाल नाहटा -----	५४